जैन विश्व भारती-समण संस्कृति संकाय, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2014-2015

8 अ

जैन विद्या - भाग - 8

(श्रमण-महावीर)

समय : 3 घण्टे | प्रश्न पत्र : प्रथम | पूर्णांक 100

नोट- पिछले कोर्स से 15 नम्बर के प्रश्न इस प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं।

(A) किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। 10×2=20

1. 'सव्वतो अपमत्तस्स णत्थि भयं' का हिन्दी अनुवाद करें।
2. मौर्य पुत्र को किस विषय में संदेह था?
3. भगवान महावीर ने किस को बंधन कारक माना है?
4. वस्तु के आधार पर परिग्रह को कितनी श्रेणी में विभक्त किया? नाम लिखो।
5. भगवान पार्श्व के समय सामायिक चरित्र के कितने अंग थे? नाम बताएं।
6. 'मेरी नाव तैर रही है, मेरी नाव तैर रही है' यह वाक्य किसने कहा?
7. महावीर की माता के तीन नाम कौन-कौन से थे? उनका गौत्र क्या था?
8. आश्रम की घटना के बाद महावीर ने कौन से पांच संकल्प किये?
9. तस्कर रोहिणेय के पास कितनी और कौन-कौन सी विद्यायें थी?
10. सामायिक के तीन प्रकार कौन-कौन से हैं?
11. अवीतराग की पहचान के सात बिन्दु बताएं।

(B) किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें। 10×5=50

1. 'आमलकी क्रीड़ा' का वर्णन करें।
2. भगवान महावीर की संघ व्यवस्था में सेवा का विधान क्या था?
3. मुनि मेघकुमार के पूर्व जन्म का विस्तार से वर्णन करें।
4. कामदेव श्रावक अपने उपासना गृह में आराधना कर रहे थे, तब क्या हुआ? लिखें।
5. भगवान महावीर ने त्रिपदी की त्रिपथगा से गणधरों की बुद्धि को कैसे सींचा?
6. महाराज शतानीक की बहन जयंती ने भगवान महावीर से क्या जिज्ञासा की?
7. सामुदायिक जीवन में सेवा लेना और देना यही विकल्प सर्वमान्य होता है। भगवान ने इस आधार पर सेवा की क्या व्यवस्था की?
8. संघ की सुव्यवस्था के लिए भगवान ने गणों की क्या व्यवस्था की?
9. कालसौकरिक के पुत्र सुलस ने कसाई का धन्धा करने से क्यों मना किया?
10. भगवान के समय साधुओं के भोजन और विहार के विषय में क्या विधान था?
11. मेतार्य मुनि की सहिष्णुता का वर्णन करें।

(C) किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें :- 3×10=30

1. समता के कितने आयाम है? वर्णन करें।
2. चंदनबाला का उद्धार कैसे हुआ? सविस्तार लिखें।
3. नवदीक्षितों के केवली होने पर गौतम का धैर्य विचलित हो गया तो भगवान ने उन्हें कैसे समझाया?
4. मेघकुमार की घटना संक्षेप में लिखें।